nt>

**श्री किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) :** अध्यक्ष महोदय, कल कर्नाटक में कोलार जिले में जिस प्रकार से सात दलितों को निर्मम हत्या की गई, उन्हें जिंदा जलाया गया...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, कल कर्नाटक के कोलार जिले में सात दलितों की हत्या की गई।...(व्यवधान)

SHRI G.M. BANATWALLA : Sir, I would like to have the response of the Government...(*Interruptions*)

**श्री किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) :** उनको जिंदा जलाकर...(व्यवधान)सात दलितों को जिंदा जलाया गया। चार, चार को, राम अवतार से लेकर उनके पूरे परिवार को जिंदा जलाया गया और उसके कारण कर्नाटक की दलित पीढ़ी और आदिवासी जनता में भय का वातावरण है। वहां पर कानून व्यवस्था की क्या परिस्थिति है, कुछ समझ में नहीं आता।...(व्यवधान) दिन-दहाड़े शाम को सात बजे एक गांव में दूसरी जगह से लोग जाते हैं और तीन घरों को आग लगा दी जाती है तथा घंटों तक पुलिस भी वहां नहीं जाती। उसके बाद वहां के मुख्य मंत्री वहां जाकर मगर के आंसू बहाते हैं। वहां जो कांग्रेस की सरकार है, उसके प्रति वहां की दलित जनता में एक अविश्वास के वातावरण का निर्माण हुआ है। वहां पर किस प्रकार से जिया जाए, इस प्रकार का चिंता का वातावरण वहां के दलितों में बन रहा है। मैं केन्द्रीय सरकार से जानना चाहता हूं कि उन दलितों के आंसू कौन पोंछेगा ? ...(व्यवधान) मेरा अनुरोध है कि वहां पर अधिकारियों को भेजकर वहां के दलितों में विश्वास का वातावरण तैयार हो, इस प्रकार की इंक्वायरी करानी चाहिए।...(व्यवधान)इस प्रकार का मैं माननीय गृह मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (ADOOR): Sir, he is trying to politicise the issue....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Kirit Somaiya, you have raised the issue. That is all right. But you cannot discuss the entire State matters and the law and order situation in the House.

...(*Interruptions)*

MR. SPEAKER: Please understand that you cannot discuss the entire law and order situation in the House. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Rashid Alvi.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except what Shri Rashid Alvi says.

*(Interruptions)**

------------------------------------------------------------------------------------------

**Not Recorded.*

MR. SPEAKER: Shri Kirit Somaiya, I have allowed you to speak and you have raised the matter. Why are you raising it again?

...(*Interruptions*)